कुमार जीवन - 73

अव्यक्त बापदादा :-

➳ _ ➳ कुमार क्या करेंगे? शक्तियां जमा हैं? शान्ति जमा है? यूज़ करना आता है? हाथ तो बहुत अच्छा उठाते हैं, अभी प्रैक्टिकल में दिखाना। **साक्षी होकर देखना भी है, सुनना भी है और सहयोग देना भी है।** आखरीन रीयल जब पार्ट बजेगा, उसमें **साक्षी और निर्भय होकर देखें भी और पार्ट भी बजावें।** कौन-सा पार्ट?

➳ _ ➳ दाता के बच्चे, दाता बन जो आत्माओं को चाहिए वह देते रहें। तो मास्टर दाता हैं ना? स्टॉक जमा करो, **जितना स्टॉक अपने पास होगा उतना ही दाता बन सकेंगे।** अन्त तक अपने लिए ही जमा करते रहेंगे तो दाता नहीं बन सकेंगे। अनेक जन्म जो श्रेष्ठ पद पाना है, वह प्राप्त नहीं कर सकते हैं, इसीलिए एक बात तो अपने पास स्टॉक जमा करो।

➳ _ ➳ **शुभ भावना, श्रेष्ठ कामना का भण्डार सदा भरपूर हो।** दूसरा - जो विशेष शक्तियां हैं, वह शक्तियां जिस समय, जिसको जो चाहिए वह दे सको। अभी समय अनुसार सिर्फ अपने पुरुषार्थ में संकल्प और समय दो, साथ-साथ दाता बन विश्व को भी सहयोग दो।

➳ _ ➳ अपना पुरुषार्थ तो सुनाया - अमृतवेले ही यह सोचो कि **"मैं आज्ञाकारी बच्चा हूँ!" हर कर्म के लिए आज्ञा मिली हुई है।** उठने की, सोने की, खाने की, कर्मयोगी बनने की। हर कर्म की आज्ञा मिली हुई है। आज्ञाकारी बनना यही बाप समान बनना है। बस, श्रीमत पर चलना, न मनमत, न परमत। एडीशन नहीं हो। **कभी मनमत पर, कभी परमत पर चलेंगे तो मेहनत करनी पड़ेगी। सहज नहीं होगा क्योंकि मनमत, परमत उड़ने नहीं देगी।** मनमत, परमत बोझ वाली है और बोझ उड़ने नहीं देगा। **श्रीमत डबल लाइट बनाती है।** श्रीमत पर चलना अर्थात् सहज बाप समान बनना। **श्रीमत पर चलने वाले को कोई भी परिस्थिति नीचे नहीं ले आ सकती। तो श्रीमत पर चलना आता है? (15-11-1999)**

➢➢ साक्षीदृष्टा

➳ _ ➳ यह अध्यातम का मूल भूत आधार है

➳ _ ➳ यह सबसे सूक्षम साधना है

→ सभी साधनाएं... साक्षी भाव पर आकर ही रूकती है

→ यह अंतिम स्थिति हैं

➳ _ ➳ साक्षी भाव परिणाम भी है बहुत सी साधनाओ का

➳ _ ➳ देखने वाल अप्रभावित रहता है उन सबसे जो दिखायी दे रहा है

→ यह मैं नहीं हूँ - यह केवल एक दृश्य है

- मैं इन सब से अलग हूँ
- I Am A Detached Observer

➳ _ ➳ **यह साधना है ... कलाकार से Audience बनने की**

→ मैं ही कलाकार हूँ ...

→ मैं ही Audience हूँ ...

→ Play करते हुए भी... जैसे मैं कर ही नहीं रहा हूँ...

➢➢ मनमत परमत की पहचान कैसे करें ?

➳ _ ➳ असंतुष्टता का भाव होगा

➳ _ ➳ दिल खायेगा

➳ _ ➳ मन में दुःख की फीलिंग आएगी

➳ _ ➳ असफलता मिलेगी